"Merchants of the world know that the ~~wage~~ way to simulate sales to cut prices that is true of soap or shoes, is equally true of the labour use making soaps or shoes. In the last analysis it can be be truely said that unemployment is in the main, caused or shaby wage costs being so high as to make it impossible to ~~market~~ make market the entire output which industry can conveniently ~~turn~~ turn out"

— Willford I. King

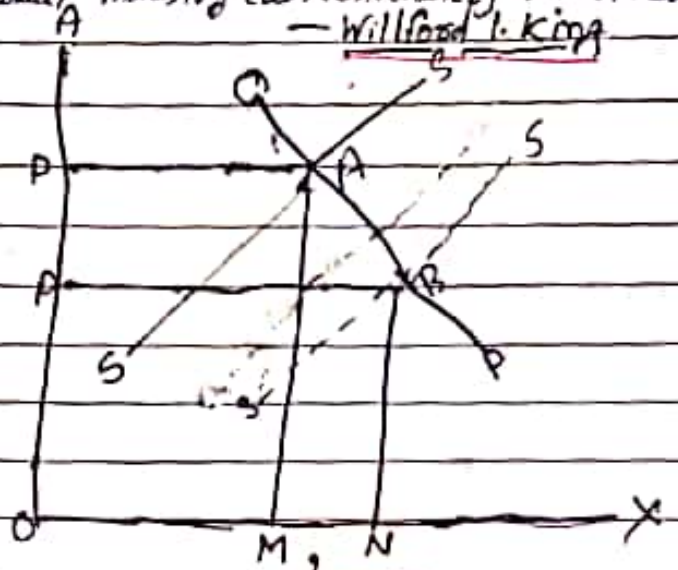

प्रो० सुमनेर स्लिक्टर ने अपने कथनों के अनुसार कहा है कि "किसी भी ~~परिस्थिति~~ स्थितियों में यह सामान्य बुद्धि से मालूम किया जा सकता है कि कीमत बढ़ाने से बिक्री नहीं बढ़ायी जा सकती है। सब वस्तुओं के साथ यह बात पायी जाती है कि श्रम अन्य वस्तुओं से अलग नहीं हो सकती। यह ऐसी वस्तु नहीं हो सकती, जिसकी कीमत बढ़ाकर भी बिक्री बढ़ायी जा सके।"

प्रो० कैनन ने कहा है "किसी उद्योग यदि वस्तु की माँग लोचपूर्ण हो तो मजदूरी दर घटने से अधिक आदमियों को काम पर लिया जा सकता है। सब रोजगार में से सामूहिक रूप से माँग अनिश्चित रूप से लोचपूर्ण होती है। अत: यदि वे बहुत अधिक मजदूरी न माँगे तो रोजगार बहुत अधिक बढ़ाया जा सकता है। जब मजदूरी दर बहुत बढ़ायी जाय तो बेकारी फैलती है"

प्रो० पीगू के मतानुसार "जब मजदूरी घटती है तो उद्योगपति को अधिक बचत होती